assessment is made by Government to identify the limiting factors in the export drive; they vary from one product to another and for the same product from time to time. Primarily the following constraints tend to act as limiting factors in the expansion of exports; (a) changing pattern of external demand, (b) commercial policies of other countries (c) inadequacy of domestic production in some sectors (d) high cost of raw materials particularly for industrial products, (e) rising home demand and (f) inadequacy of marketing effort.

(c) The major steps to overcome these limitations are:

(i) expanding the production base in the country with a view to generate export surpluses and offset the pull of the home market.

(ii) temporary restraints on domestic consumption in the event of inadequate export surpluses.

(iii) supply of raw materials at international prices so as to reduce the cost of production particularly in the case of industrial products.

(iv) product development and adaptation.

(v) stepping up overseas marketing efforts.

(vi) bilateral and multilateral efforts to bring about appropriate adjustment of commercial policies of other countries.

निर्यात व्यापार

4143. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में निर्यात व्यापार में और कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) क्या कुछ देशों के साथ व्यापार में कमी भी हुई है ;

(ग) यदि हां, तो इसके कारण क्या हैं ; और

(घ) उन देशों के साथ व्यापार सम्बन्धों को सुधारने की सरकार की क्या नीति है जिनका भारत के साथ कोई राजनयिक सम्बन्ध नहीं है ?

वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री चौधरी राम सेवक) : (क) गत दो वर्षों में भारत के निर्यातों में जिनमें पुनर्निर्यात भी शामिल हैं 17.6 प्रतिशत वृद्धि हुई अर्थात वे 1966-67 के 1156.5 करोड़ से 1968-69 में बढ़कर 1360 करोड़ के हो गये ।

(ख) और (ग) : हमारा व्यापार सन्तुलन कतिपय विकासशील देशों के साथ अपने उद्योगों के लिये कच्चे माल के लिये पराश्रित होने के कारण तथा कतिपय विकसित देशों के साथ पूंजीगत माल मशीनों, फालतू पुर्जों आदि के लिये उन पर आश्रित होने के कारण प्रतिकूल रहा ।

(घ) दक्षिण अफ्रीका, उ० रोडेशिया अंगोला, मोजम्बीक तथा पुर्तगाल आदि कतियप ऐसे देश हैं जिनके साथ न तो हमारा व्यापार है और न राजनयिक सम्बन्ध ही है । इसके अतिरिक्त ऐसे देशों के साथ जिनके भारत के साथ कोई राजनयिक सम्बन्ध नहीं हैं व्यापार पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है ।

भारतीय सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान की सैनिक गतिविधियों में वृद्धि

4144. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री गार्डिलिंगन गौड :
श्री अब्दुल गनी दार :
श्री महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री एम० एस० ओबराय :
श्री न० रा० देवघरे :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सीमाओं पर सैनिक